yield is 1'5 lbs. of wool, while the *fleeces* of the cross-bred sheep weigh 3-5 to 4"0 lbs. per year.]

सघन कृषि जिला कार्यक्रम

२१७. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री १९६१-६२ के लिये खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के प्रतिवेदन के पृष्ठ १९ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सघन कृषि जिला कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ में अब तक कुल कितने फार्म प्लान तैयार किये जा चुके हैं और कृषि फार्मों पर मिले जुले प्रकार के कितने वैज्ञानिक प्रदर्शन किये जा चुके हैं

(ख) अब तक इस जिले का कितना क्षेत्र इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आ गया है और कितना शेष है और यह शेष क्षेत्र कब तक इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आ जायेगा ; और

(ग) अब तक उत्पादन में कितनी वृद्धि हुई है और किसानों को खाद, बीज, नकदी और अन्य प्रकार की कितनी सहायता दी जा चुकी है ?

INTENSIVE AGRICULTURAL DISTT. PROGRAMME

217. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to the Report of the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture) for 1961-62 at p. 19 and state:

(a) the total number of Farm Plans prepared so far in the District of Aligarh in Uttar Pradesh under the Intensive Agricultural District Programme and the number of scientific demonstrations of a composite type which have been made on the agricultural farms;

(b) the area Of land in the district which has been brought under this programme so far and the area of land which remains to be brought under the programme and the time by when the remaining area is likely to come under the programme; and

(c) how much increase in production has taken place up till now and how much assistance has been given to peasants in the form of fertilizers seeds, cash and in Other forms?]

t[ ] English translation.

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) १९६१-६२ में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सघन कृषि जिला कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल ९,२०५ फार्म योजनायें बनाई गईं ।

इस दौरान में मिश्रित ढंग के १,७५० वैज्ञानिक प्रदर्शन किये गये, जिनमें से ४०८ खरीफ और १,३४२ रबी के मौसम में किये गये थे ।

(ख) १९६१-६२ में कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग ०.६० लाख एकड़ कृष्ट भूमि में कार्य हुआ । अभी इस कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग ६.०० लाख एकड़ का क्षेत्र लाना बाकी है । आशा है कि १९६५-६६ तक कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्ण क्षेत्र आ जायेगा ।

(ग) कार्यक्रम के कार्यान्वित करने के परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में कितनी बढ़ोतरी होगी, यह निर्णय करना अभी कठिन है । कुछ समय के बाद ही इसका वैज्ञानिक ढंग से निर्धारण किया जा सकता है । फिर भी यह देखा गया कि १९६१-६२ में प्रमुख खरीफ फसलों अर्थात् मक्का, बाजरा और अरहर का उत्पादन दर कार्यक्रम के क्षेत्रों में जिले से बाहर

छांटे गये नियन्त्रण क्षेत्रों की तुलना में अधिक था

१९६१-६२ में उत्पादन योजनाओं के आधार पर नकद ऋणों के रूप में किसानों को कुल सहायता ११,६२,७२५ रुपये की दी गई—इस में से ९,५६,३०६ रुपये खरीफ के मौसम में दिये गये और २,७२,४१३ रुपये उर्वरकों के रूप में किसानों को दिये गये । इस वर्ष में लगभग १.३० लाख मन उन्नत बीज भी किसानों को वितरित किये गये ।

t[THE MINISTER OP STATE IN THE MINISTRY or FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) The total number of Farm Plans prepared during the year 1961-62 in Aligarh District of Uttar Pradesh under the Intensive Agricultural District Programme was 9,205.

During this period 1,750 scientific demonstrations of the composite type, 408 during *Kharif* and 1,342 during *Rabi* season, were laid.

(b) Approximately 0:6 lakh acres of cultivated land was covered under the programme during 1961-62. The area which remains to be brought under the programme is approximately 6·00 lakh acres. The entire area is expected to be covered under the programme by 1965-66.

(c) It i« too early to assess the likely increase in agricultural production as a result of the implementation of the programme. This can be scientifically assessed only after some time. However, it was observed that the yield rates of important *Kharif* crops *viz.* Maize, Bajra and Arhar during 1961-62 was higher in the programme areas as compared to the control areas selected outside the district,

The total assistance given to the cultivators in the form of cash loans on the basis of Production Plans during 1961-62 was of the order bf Rs. 11,62,725—Rs. 9,56,306 during *Kharxj* season and Rs. 2,72,413 given to the cultivators in the shape of fetrilizers. Approximately 1-30 lakh mds. of improved seed were also distributed to the cultivators during the year.]

रासायनिक उर्वरक

२१८. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों के सम्बन्ध मे देश की वर्तमान आवश्यकता कितनी है, कितनी मात्रा में उनका देश मे उत्पादन हो रहा है और कितनी मात्रा में उनका आयात किया जा रहा है; और

(ख) इन उर्वरकों की शेष मांग की पूर्ति किस प्रकार तथा कब तक किये जाने की सम्भावना है ?

t [CHEMICAL FERTILIZERS

218. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN; Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the present requirement of the country in regard to the chemical fertilizers of various types, in what quantity they are being produced in the country and in what quantity they are being imported; and

(b) how and by when the rest of the demand of these fertilizers *is* likely to be met?]

f[ ] English translation.